अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत कृषि आजीविका में सुधार हेतु नवीनतम तकनीकियाँ का जागरूकता सह वितरण कार्यक्रम

भारतीय कृषि अनुसंधान का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के द्वारा संचालित परियोजना - अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) अंतर्गत पूर्वी उत्तर प्रदेश के अंगीकृत गांव: बसंतपुर, नरसिंगपट्टी (1 एवं 2) में कृषि आजाविका में सुधार हेतु तकनीकी पोषण वाटिका (सब्जी किट) जिसमे गुणवत्ता युक्त सब्जियाँ - लोबिआ, पालक, लौकी, हरी मिर्च, फ्रेंच बीन, करैला, खीरा, बैंगन, धनिया, भिंडी, सतपुतिया एवं मेथी समेत कुल 12 पत्तेदार एवं फलदार सब्जियों का प्रदर्शन हेतु उपादान प्रदान किया गया। अंगीकृत गांव ही पशुओं एवं कृषि उत्पादों के रख-रखाव एवं संरक्षण हेतु 6X6 मीटर (कूल ३६ वर्ग मीटर) तिरपाल का वितरण किया गया। इस उपादान वितरण कार्यक्रम में गांव के कूल 80 लाभार्थियों जैसे झूमिया देवी, शांति देवी, योगेंद्र, भुवनेश्वर एवं लालचंद्र राम सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिक डॉ वेद प्रकाश, डॉ पवन जीत एवं डॉ देवकरण, कृषि विज्ञान केंद्र, बलिया के वैज्ञानिक डॉ संजीत, डॉ सोमेंद्र नाथ, डॉ मनोज, डॉ अभिषेक साथ ही साथ बसंतपुर के ग्राम प्रधान श्री पप्पू राम, सामाजिक कार्यकर्ता श्री अंकित यादव आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

उपादान वितरण कार्यक्रम की झलकियां

कृषि विज्ञान केंद्र पर पोषण वाटिका सब्जी किट का वितरण

जागरण संवाददाता, बलिया : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिषद पटना की ओर से संचालित परियोजना अनुसूचित जाति उप योजना के अंतर्गत पूर्वी उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया के अंगीकृत ग्राम बसंतपुर, नरसिंह पट्टी एक एवं दो में कृषि आजीविका में सुधार के लिए तकनीकी पोषण वाटिका सब्जी किट तैयार किया गया। इसमें गुणवत्ता युक्त सब्जी लोबिया, पालक, लौकी, हरी मिर्च, फ्रेंच बींस, करेला, खीरा, बैंगन, धनिया, भिंडी, एवं मेथी समिति कुल 12 पत्तेदार एवं फलदार सब्जियों का प्रदर्शन के लिए उत्पाद प्रदान किया गया। अंगीकृत गांव में ही पशुओं एवं कृषि उत्पादों के संरक्षण के लिए 36 वर्ग वर्ग मीटर त्रिपाल का वितरण किया गया।

पोषण वाटिका सब्जी किट के साथ खड़ीं महिलाएं • जागरण